हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी ए (प्रोग्राम) हिंदी (अनिवार्य) पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर- I							
B-HIN(C)-101	हिंदी भाषा और आधुनिक हिंदी कविता	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- II							
B-HIN(C)-201	प्रयोजनमूलक हिंदी और हिंदी गद्य-I	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- III							
B-HIN(C)-301	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) और मध्यकालीन हिंदी कविता	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- IV							
B-HIN(C)-401	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) और हिंदी गद्य-II	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- V							
B-HIN(C)-GE-501	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- VI							
B-HIN(C)-GE-601	आधुनिक भारतीय कविता	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे

Programme Outcomes (PO) of Bachelor of Arts (General) CBCS Programmes/Courses in the Institute of Integrated and Honours Studies, Kurukshetra University, Kurukshetra

PO 1: Demonstrate a detailed knowledge and understanding of selected fields of study in core disciplines in the humanities, social sciences and languages;

PO 2: Apply critical and analytical skills and methods to the identification and resolution of problems within complex changing social contexts.

PO 3: Demonstrate a general understanding of the concepts and principles of selected areas of study outside core disciplines of the humanities, social sciences and languages;

PO 4: Apply an independent approach to knowledge that uses rigorous methods of inquiry and appropriate theories;

PO 5: Articulate the relationship between diverse forms of knowledge and the social, historical and cultural contexts that produced them;

PO 6: Communicate effectively and show ability to read, write, listen to and speak in a chosen language/s with fluency;

PO 7: Act as informed and critically discerning participants within the community of scholars, as citizens and in the work force;

PO 8: Work with independence, self-reflection and creativity to meet goals and challenges in the workplace and personal life.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Mapping Matrix for all the Courses of B.A. (Programme) Hindi (Compulsory)

Course Code	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN(C)-101	3	3	3	3	3	2	3	2	2.5	3	3	2.5
B-HIN(C)-201	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2
B-HIN(C)-301	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN(C)-401	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(C)-501	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN(C)-601	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	3	3	2.5	2.5

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels ass0uming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

सेमेस्टर -I

B-HIN(C)-101- हिंदी भाषा और आधुनिक हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा व गद्य की विविध विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिंदी भाषा की संरचना व स्वरूप का ज्ञान।

101.2 हिंदी भाषा के विविध रुपों व प्रयोगों का ज्ञान।

101.3 आधुनिक काल के कवियों की काव्य क्षमता का बोध। आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों की कविता का आलोचनात्मक बोध।

101.4 नवजागरण व राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(**क**) **व्याख्या -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ख**) **पाठ बोध -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ग**) **पाठ आधारित प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(**घ**) **भाषा संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **हिंदी भाषाः विकास और विविध प्रयोग** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ङ**) **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(**च**) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी भाषाःविकास और विविध प्रयोग

- भाषा का स्वरूप और विशेषताएं, भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, भाषा के रूप में हिंदी का विकास, साहित्य और संचार की भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार, हिंदी की बोलियां-उपबोलियां, देवनागरी लिपि का मानकीकरण।
- हिंदी भाषा के विविध अनुप्रयोग (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा), हिंदी की संविधानिक स्थिति। शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी, हिंदी अध्ययन-अध्यापन (विज्ञान, वाणिज्य व मानविकी के क्षेत्र में)
- सृजनात्मक भाषा (अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता, सर्जनात्मक प्रयोग) सृजनात्मक भाषा के विविध पक्ष (शब्द शक्तियां, अंलकरण, सादृश्य विधान, मानवीकरण, मुहावरे, लोकोक्तियां)
- सृजनात्मक लेखन का स्वरूप और महत्व, सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य, सृजनात्मक लेखन के प्रकार (साहित्यिक और व्यावसायिक), सृजनात्मक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएं, सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया (कविता, कहानी, नाटक, फिल्म, रिपोर्ताज)।

(ख) आधुनिक हिंदी कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - दोनों ओर प्रेम पलता है, सखि, वे मुझसे कहकर जाते।
- जयशंकर प्रसाद -कामायनी (चिंता सर्ग की प्रथम 20 पंक्तियां, आरम्भ से लेकर प्रथम 'कंप-सी मतवाली' तक), अशोक की चिंता।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - वह तोड़ती पत्थर, बादल राग।
- रामधारी सिंह दिनकर - चांद और कवि, यह मनुज
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला
- गजानन माधव मुक्तिबोध - जन जन का चेहरा एक, भूल गलती
- नागार्जुन - कालिदास, उनको प्रणाम
- भवानी प्रसाद मिश्र - कहीं नहीं बचे, गीत फरोश
- कुँवर नारायण - नचिकेता, कविता
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - पोस्टर और आदमी, छीनने आए हैं वे।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-	101.1	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	3

HIN(C) -101	101.2	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	2
	101.3	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	3
	101.4	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	2
Average		3	3	3	3	3	2	3	2	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
- हिंदी भाषी - डा. हरदेव बाहरी
- हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरुवार
- हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषाः स्वरूप और विकास- कैलाशचंद्र भाटिया
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम

सेमेस्टर - II

B-HIN(C)-201-प्रयोजनमूलक हिंदी और हिंदी गद्य-1

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी भाषा व हिंदी गद्य का परिचय।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम

201.1 हिंदी भाषा में कार्यालयी कार्य करने का ज्ञान होगा। संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों को जान सकेंगे।

201.2 शासन-प्रशासन के कार्यों को हिंदी भाषा में करने की दक्षता।बैंक, विधि, वाणिज्य संबंधी कार्यों में दक्षता।

201.3 हिंदी गद्य की विधाओं की विशिष्टता की समझ।

201.4 हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ।

परीक्षा संबधी निर्देश - परीक्षा संबंधी निर्देश स्पष्ट हों।

(क) **व्याख्या -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) **पाठ बोध -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ग) **पाठ आधारित प्रश्न -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(घ) **भाषा संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **प्रयोजनमूलक हिंदी** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ड़) **लघूत्तरी प्रश्न-**निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(छ) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) प्रयोजनमूलक हिंदी

- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, अनुवाद की अवधारणा और क्षेत्र, अनुवाद प्रक्रिया के चरण, पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया।
- प्रशासनिक भाषा का स्वरूप और महत्व, सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग, कार्यालयी पत्र लेखन के विभिन्न प्रकार, प्रारूपण, टिप्पण।
- नई प्रौद्योगिकी में हिन्दी की चुनौतियां व संभावनाएं, बाजारऔर व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया), इंटरनेट की हिंदी (यूटयूब, ट्विटर, ब्लॉग, फेसबुक)।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, संप्रेषण के प्रकार(मौखिक और लिखित), संप्रेषण में बाधाएं और चुनौतियां, संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)।
- जनसंचार माध्यमों की भाषा की विशेषताएं (पत्रकारिता, रेडियो, टेलीविज़न, मल्टी मीडिया इंटरनेट), विज्ञापन की भाषा का स्वरूप और विशेषताएं (प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और ई-विज्ञापन)

(ख) हिंदी गद्य - ।

- **कहानी -** पूस की रात (प्रेमचंद), परदा (यशपाल), वापसी (उषा प्रियंवदा)
- **निबंध -** मजदूरी और प्रेम (सरदार पूर्ण सिंह), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
- **व्यंग्य -** आशा का अंत - बालमुकुंद गुप्त
- **आत्मकथा -** निज जीवन छटा (अंतिम समय की बातें) - पं. रामप्रसाद बिस्मिल

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(C) -201	201.1	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	201.2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	201.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	201.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	Average	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयुक्ति- डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदारे

- प्रयोजनमूलक हिन्दी- दंगल झाल्टे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोन टक्के
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
- हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास- डॉ दशरथ ओझा
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष- गिरीश रस्तोगी
- हिन्दी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार
- हिंदी कहानीः पहचान और परख - डा. इंद्रनाथ मदान
- कहानीः नई कहानी - नामवर सिंह

सेमेस्टर - III

B-HIN(C)-301-हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) और मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं व साहित्यिक परपंराओं से परिचय।

301.2 भक्तिकालीन विभिन्न धाराओं की वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ।

301.3 हिंदी साहित्य के बदलाव के बिंदुओं की पहचान।

301.4 आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल की विभिन्न धाराओं व उनके प्रमुख साहित्यकारों की रचना क्षमता व अभिव्यक्ति की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(**क**) **व्याख्या -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ख**) **पाठ बोध -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ग**) **पाठ आधारित प्रश्न -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(**घ**) **हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **हिंदी साहित्य इतिहास (रीतिकाल तक)** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ङ**) **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(**च**) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी साहित्य इतिहास (रीतिकाल तक)

- इतिहास लेखन और साहित्येतिहास लेखन, हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण,
- आदिकाल की विशेषताएं, आदिकालीन काव्यधाराएं और काव्यगत विशेषताएं (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, लौकिक)।
- भक्ति आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण काव्यधारा, राम कव्यधारा।
- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकालीन काव्यधाराएं व उनकी काव्यगत विशेषताएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त)।

(ख) मध्यकालीन हिंदी कविता

(कबीरदास, रैदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, बिहारी, घनानंद, गरीबदास का निर्धारित काव्य)

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(C)-301	301.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	301.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	301.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	301.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

सेमेस्टर -IV

B-HIN(C)-401-हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) और हिंदी गद्य -II

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा व गद्य की विविध विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

401.1 आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

401.2 आधुनिक हिंदी साहित्य के विभिन्न आंदोलनों की जानकारी।

401.3 हिंदी गद्य की विधाओं की विशिष्टता की समझ।

401.4 हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(**क**) **व्याख्या -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ख**) **पाठ बोध -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ग**) **पाठ आधारित प्रश्न -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(**घ**) **हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **हिंदी साहित्य इतिहास (आधुनिक काल)** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(**ङ**) **लघूत्तरी प्रश्न-**निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(**च**) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और हिंदी साहित्य, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, उत्तर छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, प्रगतिवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, प्रयोगवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, नई कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, समकालीन कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि।

- हिंदी नाटकः उद्भव और विकास, हिंदी निबंधः उद्भव और विकास, हिंदी उपन्यासः उद्भव और विकास, हिंदी कहानीः उद्भव और विकास, हिंदी पत्रकारिताः उद्भव और विकास, हिंदी संस्मरणः उद्भव और विकास, हिंदी रेखाचित्रः उद्भव और विकास, हिंदी जीवनीः उद्भव और विकास, हिंदी आत्मकथाः उद्भव और विकास।

- दलित विमर्शः वैचारिकी और साहित्यिक विकास, स्त्री विमर्शः वैचारिकी और साहित्यिक विकास आदिवासी विमर्शः वैचारिकी और साहित्यिक विकास।

(ख) हिंदी गद्य -II

- **संस्मरण -** संस्मृतियां (सरदार भगतसिंह संस्मरण भगतसिंह की चुहलबाजी तक) - शिव वर्मा
- **रेखाचित्र** - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **संभाषण -** साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **यात्रा -** मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **पत्र -** प्रेमचंद के दो पत्र (इंद्रनाथ मदान को)
- **जीवन चरित - आवारा मसीहा का अंश**
- **साक्षात्कार - रामविलास शर्मा- पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' (मैं इनसे मिला)**

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
	401.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3

	401.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	401.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	401.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास- डॉ. नन्दकिशोर नवल
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- छायावाद- नामवर सिंह
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

सेमेस्टर -V

B-HIN(C)-GE-501-सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयामों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

501.1 सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

501.2 प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास।

501.3 दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता का विकास।

501.4 इंटरनेट व सामाजिक माध्यमों के लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

इकाई 1 सृजनात्मकताः अवधारणा और सिद्धांत

- सृजनात्मकता की अवधारणा,
- भाषाः आंचलिकता,
- सृजन-सौष्ठवः प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

इकाई 2 विविध विधाओं का लेखनः विषयवस्तु चयन और प्रस्तुतिकरण

- कविताः संवेदना, भाषा, छंद, लय

- कथा साहित्यः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- नाटकः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- निबंधः विषयवस्तु, भाषा,
- व्यंग्यः विषयवस्तु, भाषा
- बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन

इकाई 3 प्रिंट माध्यम के लिए लेखनः

- रिपोर्ताज़: अर्थ, विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन: विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।
- फिल्म समीक्षा और पुस्तक समीक्षा।

इकाई 4 - इलेक्ट्रोनिक माध्यम के लिए लेखनः

- पटकथा लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- संवाद लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- विज्ञापन लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- रिपोर्ट लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबन्धित लेखन।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN(C)-501	501.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	501.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	501.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	501.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक सामग्री

- कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
- पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोसी
- रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
- साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्यालोचन - श्यामसुंदर
- कविता की रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
- सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य

सेमेस्टर -VI

B-HIN(C)-GE-601-आधुनिक भारतीय कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय भाषाओं की कविता व कवियों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

601.1 भारतीयता की अवधारणा, भारतीय जीवन-मूल्यों व लेखन परम्परा से परिचय।

601.2 भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवियों की कविताओं की समझ।

601.3 भारतीय संस्कृति के लगाव, राष्ट्रीय एकता व अंखडता की भावना का विकास।

601.4 साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से तीन पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किंही दो एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठों में से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिये जायेंगे पाठ के आधारा पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** भारतीयता कविता का स्वरूप, कविता में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय कविता, भारतीय कविता की प्रवृतियां तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का परिचय, उनकी कविताओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना व काव्य सौंदर्य संबंधी 6 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि (निम्नलिखित कवियों की तीन तीन कविताएं)

हिंदी - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
मुक्तिबोध

उर्दू - ग़ालिब
हाली

पंजाबी - लालसिंह दिल
सुरजीत पातर

बांग्ला - रवीन्द्रनाथ ठाकुर
काज़ी ऩजरुल इस्लाम

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN(C)-601	601.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	601.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	601.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	601.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	3	3	2.5	2.5

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं - के. सच्चिदानंद
- भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य - डॉ. राम छबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य - डॉ. मूलचन्द गौतम
- भारतीय साहित्य - भोलाशंकर व्यास
- परंपरा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी ए (प्रोग्राम) हिंदी (ऐच्छिक) पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - I							
B-HIN(E)-CC-101	हिंदी साहित्य का इतिहास	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
B-HIN(E)-AECC-102	हिंदी भाषा और व्याकरण	2	2	40	10	50	2 घंटे
सेमेस्टर - II							
B-HIN(E)-CC-201	मध्यकालीन हिंदी कविता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
B-HIN(E)-AECC-202	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	2	2	40	10	50	2 घंटे
सेमेस्टर - III							
B-HIN(E)-CC-301	आधुनिक हिंदी कविता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
B-HIN(E)-SEC-302	संभाषण कला	2	2	40	10	50	2 घंटे
सेमेस्टर - IV							
B-HIN(E)-CC-401	हिंदी गद्य साहित्य	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
B-HIN(E)-SEC-402	समाचार संकलन और लेखन	2	2	40	10	50	2 घंटे
सेमेस्टर - V							
B-HIN(E)-SEC-501	कार्यालयी हिंदी	2	2	40	10	50	2 घंटे
B-HIN(E)-DSE-502-A B-HIN(E)-DSE-502-B	छायावादोत्तर हिंदी कविता **अथवा** हिंदी निबंध	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
B-HIN(E)-GE-503	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे

सेमेस्टर - VI							
B-HIN(E)-SEC-601	अनुवाद विज्ञान	2	2	40	10	50	2 घंटे
B-HIN(E)-DSE-602-A B-HIN(E)-DSE-602-B	बालमुकुंद गुप्त **अथवा** लोक साहित्य	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
B-HIN(E)-GE-603	आधुनिक भारतीय कविता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे

Programme Outcomes (PO) of Bachelor of Arts (General) CBCS Programmes/Courses in the Institute of Integrated and Honours Studies, Kurukshetra University, Kurukshetra

PO 1: Demonstrate a detailed knowledge and understanding of selected fields of study in core disciplines in the humanities, social sciences and languages;

PO 2: Apply critical and analytical skills and methods to the identification and resolution of problems within complex changing social contexts.

PO 3: Demonstrate a general understanding of the concepts and principles of selected areas of study outside core disciplines of the humanities, social sciences and languages;

PO 4: Apply an independent approach to knowledge that uses rigorous methods of inquiry and appropriate theories;

PO 5: Articulate the relationship between diverse forms of knowledge and the social, historical and cultural contexts that produced them;

PO 6: Communicate effectively and show ability to read, write, listen to and speak in a chosen language/s with fluency;

PO 7: Act as informed and critically discerning participants within the community of scholars, as citizens and in the work force;

PO 8: Work with independence, self-reflection and creativity to meet goals and challenges in the workplace and personal life.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Mapping Matrix for all the Courses of B.A. (Elective) Hindi

Course Code	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN(E)- CC-101	3	3	3	3	3	2	3	2	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)- AECC-102	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)- CC-201	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2
B-HIN(E)- AECC-202	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)- CC-301	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)- SEC-302	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)- CC-401	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)- SEC-402	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)-SEC-501	3	2.5	3	3	2.5	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)-DSE-502-A	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)-DSE-502-B	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)-GE-503	3	2.5	3	3	2.5	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)-SEC-601	3	2.5	3	3	2.5	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN(E)-DSE-602-A	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)-DSE-602-B	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN(E)-GE-603	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

सेमेस्टर -1

B-HIN(E)-CC-101-हिंदी साहित्य का इतिहास

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिंदी भाषा के विकास के सोपानों की पहचान।

101.2 हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं की वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ।

101.3 हिंदी साहित्यकारों की रचना क्षमता व अभिव्यक्ति की विशिष्टताओं की पहचान।

101.4 भारतीय पुनर्जागरण के मुद्दे व अंतर्विरोधों की पहचान। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन व साहित्य के संबंधों की समझ

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों में से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1 हिंदी साहित्य इतिहास लेखन व आदिकाल

- इतिहास लेखन और साहित्येतिहास लेखन
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण,
- आदिकालीन धार्मिक काव्यधाराएं - सिद्ध, नाथ एवं जैन
- आदिकालीन रासो काव्य
- आदिकालीन लौकिक काव्य

इकाई 2 भक्तिकाल व रीतिकाल

- भक्ति आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,
- संत काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- सूफी काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- कृष्ण काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- राम कव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,
- रीतिकालीन काव्यधाराएं और उनकी काव्यगत विशेषताएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त

इकाई 3 आधुनिक हिंदी काव्य का विकास

- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण,
- भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ,
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग,
- छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- उत्तर छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- प्रगतिवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- प्रयोगवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- नई कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- समकालीन कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि

इकाई 4 आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास

- हिंदी नाटकः उद्भव और विकास
- हिंदी निबंधः उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यासः उद्भव और विकास
- हिंदी कहानीः उद्भव और विकास
- हिंदी पत्रकारिताः उद्भव और विकास
- हिंदी रेखाचित्रः उद्भव और विकास
- हिंदी संस्मरणः उद्भव और विकास
- हिंदी जीवनीः उद्भव और विकास
- हिंदी आत्मकथाः उद्भव और विकास
- अस्मितामूलक साहित्य एवं विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी)।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-CC-101	101.1	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	3
	101.2	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	2
	101.3	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	3
	101.4	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2	3	2	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

B-HIN(E)-AECC-102-हिंदी भाषा और व्याकरण

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी व्याकरण तथा उसके अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 इस पाठ पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिंदी भाषा का सही उच्चारण कर पाएगा।

102.2 हिंदी व्याकरण के नियमों को सीखकर भाषा का मानक व शुद्ध प्रयोग करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- व्याकरण का स्वरूप और महत्व
- व्याकरण और भाषा का संबंध
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था: स्वर एवं व्यंजन। स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- हिंदी भाषा शब्द भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी
- शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय,
- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द,
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया
- मुहावरे, लोकोक्तियां
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद
- शब्द शुद्धि और वाक्य शुद्धि

- देवनागरी लिपि का मानकीकरण

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-AECC-102	102.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	102.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	102.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	102.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
- परिष्कृत हिन्दी व्याकरण - बदरी नाथ कपूर
- सामान्य हिन्दी - हरदेव बाहरी
- सामान्य हिन्दी - डॉ. पृथ्वी नाथ पाण्डेय

सेमेस्टर - II

B-HIN(E)-CC-201- मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्यकालीन कविता से परिचित करवाने के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 मध्यकालीन कविता का बोध होगा।

201.2 सगुण, निर्गुण, रीतिकाल के विभिन्न कवियों की काव्य विशिष्टता की पहचान कर पायेंगे।

201.3 मध्यकालीन भाषा व अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों की पहचान होगी।

201.4 अपनी काव्य परंपरा की जानकारी मिलेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनका काव्य

1. कबीरदास

2. रैदास
3. सूरदास
4. तुलसीदास
5. रहीम
6. मीराबाई
7. बिहारी
8. घनानंद
9. गरीबदास

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-CC-201	201.1	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	201.2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	201.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	201.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	Average	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
- मध्यकालीन बोध और साहित्यः- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- तुलसीदास और उनका युग- डॉ. रामविलास शर्मा
- कबीर एक नई दृष्टि- रघुवंश
- कबीर के आलोचक- डॉ. धर्मवीर
- कबीर- गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मीराबाई- परशुराम चतुर्वेदी

B-HIN(E)-AECC-202-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संप्रेषण की विधियों और सिद्धांतों से परिचय के लिए। हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

202.1 हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण कर पाएगा।

202.2 संप्रेषण की विधियों को सीखकर हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं
- हिंदी भाषा का विकास
- हिंदी भाषा के विविध रूप - संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
- हिंदी की संविधानिक स्थिति
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- संप्रेषण की अवधारणा एवं महत्व
- संप्रेषण के प्रकार - मौखिक और लिखित
- संप्रेषण में बाधाएं और चुनौतियां
- संप्रेषण के विविध रूप - साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा आदि।
- संवाद कला
- भाषण कला
- संप्रेषण के माध्यम
- जनसंचार के लिए लेखन

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-AECC-202	202.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	202.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	202.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	202.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार
- हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण तिवारी
- राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- राजभाषा सहायिका - अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन
- जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग - प्रो. राम लखन मीणा, कल्पना प्रकाशन
- जनमाध्यमों का मायाजाल - नोम चॉम्स्की
- जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार - अर्जुन तिवारी

सेमेस्टर -III

B-HIN(E)-CC-301-आधुनिक हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 आधुनिक काल के कवियों की काव्य क्षमता को जान पायेंगे।

301.2 नवजागरण की समझ बनेगी।

301.3 साहित्यकारों द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान की गई अभिव्यक्ति को चिह्नित कर पायेंगे।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं से एक पद्यांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को उस पद्यांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनका काव्य

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. मैथिलीशरण गुप्त
3. जयशंकर प्रसाद

4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
6. मुक्तिबोध
7. शमशेर बहादुर सिंह
8. नागार्जुन
9. नरेश मेहता
10. कुंवरनारायण

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-CC-301	301.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	301.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	301.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	301.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- मुक्तिबोधः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- केदारनाथ सिंहः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल
- कुँवर नारायणः उपस्थिति- सं. यतीन्द्र मिश्र
- साहित्य और समकालीनता - राजेश जोशी
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला - राम विलास शर्मा
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह

B-HIN(E)-SEC-302-संभाषण कला

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संभाषण के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 सावर्जनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।

302.2 वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में संवाद क्षमता विकसित होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख घटक
- संभाषण के विभिन्न रूप - वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
- जन सम्पर्क में वाककला की उपयोगिता
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानः भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपः उदघोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)।
- वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।
- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-SEC-302	302.1	3	3	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3
	302.2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3
	302.3	3	3	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3
	302.4	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3
	Average	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- भाषण कला - महेश शर्मा
- अच्छी हिंदीः संभाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी
- साहित्य और सिनेमा : अंत संबंध और रूपांतरण - विपुल कुमार
- सिनेमा की सोच - अजय ब्रह्मात्मज
- सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर
- टेलिविजन की कहानी - श्याम कश्यप एवं मुकेश कुमार
- समाचार फीचर लेखन और संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- रेडिया प्रसारण - कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान

सेमेस्टर - IV

B-HIN(E)-CC-401-हिंदी गद्य साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

401.1 हिंदी गद्य की विविध विधाओं से परिचित होंगे।

401.2 गद्य की विभिन्न विधाओं की विशिष्टता की समझ बढ़ेगी।

401.3 हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ बनेगी।

401.4 सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो गद्यांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से एक गद्यांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को उस गद्यांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं के रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1 हिंदी कहानी

- पूस की रात - प्रेमचंद
- परदा - यशपाल
- चीफ की दावत - भीष्म साहनी
- वापसी - उषा प्रियंवदा

इकाई 2 हिंदी निबंध

- लोभ और प्रीति - रामचंद्र शुक्ल
- कुटज - हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई 3 हिंदी नाटक

- आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-CC-401	401.1	3	3	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3
	401.2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	401.3	3	3	3	3	3	3	3	2	2	3	3	3
	401.4	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
- हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश
- कहानीः नयी कहानी - नामवर सिंह
- हिन्दी गद्य का इतिहास - रामचन्द्र तिवारी
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

B-HIN(E)-SEC-402-समाचार संकलन और लेखन

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पत्रकारिता व जनसंचार में दक्षता।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

402.1 समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों के ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।

402.2 जनसंचार के प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता विकसित होगी।

403.3 इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता विकसित होगी।

404.4 समाचारों के प्रति औलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकसित होगी

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- समाचार: अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, संरचना (घटक), समाचार मूल्य। समाचार के स्रोत।
- समाचार संग्रह-पद्धति और लेखन-प्रक्रिया: सिद्धान्त और मार्गदर्शक बातें। विकासशील और जनरुचि की दृष्टियाँ।
- समाचार का वर्गीकरण - खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार।
- संवाददाता: भूमिका, अर्हता, श्रेणियाँ, प्रकार्य एवं व्यवहार-संहिता।
- रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार: (विधायिका, न्यायपालिका, मंत्रालय और प्रशासन, विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय, दुर्घटना एवं नैसर्गिक आपदा, ग्रामीण, कृषि, विकास, अर्थ एवं वाणिज्य, बैठकें एवं सम्मेलन, संगोष्ठी, पत्रकार वार्ता, साहित्य एवं संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान

एवं तकनीकी विषय, खेलकूद, पर्यावरण, मानवाधिकार और अन्य सामाजिक विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित रिपोर्टिंग)।

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों का पुनर्लेखन।
- लीड: अर्थ, प्रकार, विशेषता, महत्व।
- शीर्षक: अर्थ, प्रकार, लिखने की कला, महत्व।
- रिपोर्टिंग: कला और विज्ञान के रूप में विश्लेषण, वस्तुपरकता और भाषा-शैली।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-SEC-402	402.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3	3
	402.2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3
	402.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3	3
	402.4	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2	3
	Average	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- संचारभाषा हिन्दी - सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- पटकथा लेखन - मनोहरश्याम जोशी
- पटकथा लेखन - मन्नू भंडारी
- आकाशवाणी समाचार की दुनियाँ - संजय कुमार
- समाचार फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदारे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
- प्रालेखन प्रारूप - शिवनाराय चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन
- जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग - प्रो. राम लखन मीना

सेमेस्टर - V

B-HIN(E)-SEC-501-कार्यालयी हिन्दी

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना। संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों की जानकारी देना। विभिन्न कार्यालयों की जरूरतों को पहचानना।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम

501.1 हिंदी भाषा में कार्यालयी कार्य करने का ज्ञान होगा।

501.2 संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों को जान सकेंगे।

501.3 शासन-प्रशासन के कार्यों को हिंदी भाषा में करने की दक्षता।

501.4 बैंक, विधि, वाणिज्य संबंधी कार्यों में दक्षता।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- कार्यालयी हिंदी का उद्देश्य, कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएं।
- हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप-राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, संपर्क भाषा, शिक्षण माध्यम-भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा।

- राजभाषा का स्वरूप और आवश्यकता, भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं संभावित समाधान।
- टिप्पण, प्रारूपण, पल्लवन, संक्षेपण।
- कार्यालयी पत्राचार के विभिन्न प्रकार व अभ्यास (सरकारी पत्र, अर्ध सरकारी पत्र, परिपत्र, ज्ञापन, सूचना, निविदा, आदेश, अनुस्मारक)
- पारिभाषिक शब्दावली

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E) -SEC-501	501.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	501.2	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	501.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	501.4	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	2.5	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयुक्ति - जितेन्द्र कुमार सिंह, निर्मल पब्लिकेशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. माधव सोन टक्के, लोकभारती प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - पी. लता, लोकभारती प्रकाशन
- राजभाषा सहायिका - अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन

B-HIN(E)-DSE-502-A-छायावादोत्तर हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

छायावादोत्तर हिंदी कविता से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

502.1 छायावाद के बाद की हिंदी कविता के विविध स्वरों का परिचय होगा।

502.2 काव्य संवेदना और इस समय की काव्य संवेदना में अंतर पता चलेगा।

502.3 स्वतंत्रता के बाद के समाज का यथार्थ तथा उसके प्रति लेखकों की सृजनात्मक प्रतिक्रिया ज्ञात होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध -** पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं से एक पद्यांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को उस पद्यांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** कविता का स्वरूप, आधुनिक हिंदी कविता का विकास, छायावादोत्तर कविता की प्रवृत्तियां, छायावादोत्तर कविता आंदोलनों का परिचय तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का परिचय, उनकी कविताओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना व काव्य सौंदर्य संबंधी छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

कवि व उनकी कविताएं

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला
- गजानन माधव मुक्तिबोध - भूल गलती, जन जन का चेहरा एक
- नागार्जुन - अकाल और उसके बाद, कालिदास
- शमशेर बहादुर सिंह - सूना सूना पथ है, उदास झरना, वह सलोना जिस्म

- भवानी प्रसाद मिश्र - कहीं नहीं बचे, गीत फरोश
- कुँवर नारायण - नचिकेता, कविता
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता, हम ले चलेंगे
- केदारनाथ सिंह - रचना की आधी रात, फर्क नहीं पड़ता

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-DSE-502-A	502.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	502.2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	502.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	502.4	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- केदारनाथ सिंहः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल
- कुँवर नारायणः उपस्थिति- सं. यतीन्द्र मिश्र
- साहित्य और समकालीनता - राजेश जोशी
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला - राम विलास शर्मा
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- कवि अज्ञेय - नन्द किशोर नवल
- आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास - नन्द किशोर नवल

B-HIN(E)-DSE-502-B-हिंदी निबंध

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी निबंध से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

502.1 वैचारिक क्षमता में अभिवृद्धि।

502.2 हिंदी निबंधकारों व उनकी विशेषताओं से परिचय।

502.3 निबंध की विविध शैलियों से परिचय।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठों में से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिये जायेंगे पाठ के आधारा पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निबंध का स्वरूप, आधुनिक हिंदी निबंध का विकास, निबंध के तत्व, निबंध के प्रकार तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधकारों का परिचय, उनके निबंधों की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना सौंदर्य संबंधी छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित निबंध

- बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
- बालमुकुंद गुप्त - बंग-भंग
- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - कछुआ धर्म
- रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह
- हरिशंकर परसाई - पगडण्डियों का जमाना

- विद्यानिवास मिश्र - अस्ति की पुकार हिमालय
- निर्मल वर्मा - अतीत: एक आत्म-मन्थन
- कुबेरनाथ राय - एक महाकाव्य का जन्म
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
- महादेवी वर्मा - जीने की कला
- रामधारी सिंह 'दिनकर' - भारत की सांस्कृतिक एकता

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-DSE-502-B	502.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	502.2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	502.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	502.4	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी में निबंध-साहित्य - जनार्दन स्वरूप अग्रवाल
- साहित्यिक निबंध - गणपति चन्द्र गुप्त
- हिन्दी निबन्ध की विभिन्न शैलियाँ - डॉ. मोहन अवस्थी
- निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदी
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह
- बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य - विजयमोहन सिंह

B-HIN(E)-GE-503-सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयामों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

503.1 सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

503.2 प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास।

503.3 दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता का विकास।

503.4 इंटरनेट व सामाजिक माध्यमों के लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

इकाई 1 सृजनात्मकताः अवधारणा और सिद्धांत

- सृजनात्मकता की अवधारणा,
- भाषाः आंचलिकता,
- सृजन-सौष्ठवः प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

इकाई 2 विविध विधाओं का लेखनः विषयवस्तु चयन और प्रस्तुतिकरण

- कविताः संवेदना, भाषा, छंद, लय
- कथा साहित्यः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- नाटकः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- निबंधः विषयवस्तु, भाषा,

- व्यंग्यः विषयवस्तु, भाषा
- बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन

इकाई 3 प्रिंट माध्यम के लिए लेखनः

- रिपोर्ताज़: अर्थ, विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन: विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।
- फिल्म समीक्षा और पुस्तक समीक्षा।

इकाई 4 - इलेक्ट्रोनिक माध्यम के लिए लेखनः

- पटकथा लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- संवाद लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- विज्ञापन लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- रिपोर्ट लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबन्धित लेखन।

	Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome											1	
	Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome											2	
	Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome											3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-GE-503	503.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	503.2	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	503.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	503.4	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	2.5	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक सामग्री

- कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
- पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोसी
- रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
- साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्यालोचन - श्यामसुंदर
- कविता की रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
- सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य

सेमेस्टर VI

B-HIN(E)-SEC-601-अनुवाद विज्ञान

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम से अपेक्षित परिणाम

601.1 विभिन्न विषयों का अनुवाद करने में सक्षम।

601.2 भाषा प्रयोग की दक्षता में अभिवृद्धि।

601.3 शासन-प्रशासन के कार्यों को करने में दक्षता।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- अनुवाद की अवधारणा
- अनुवाद प्रक्रिया एवं सम्पादन प्रविधि।
- अनुवादक की योग्यता, सफल अनुवादक के अभिलक्षण।
- हिन्दी में अनुवाद की परंपरा
- हिन्दी अनुवाद का भविष्य।
- मशीनी अनुवाद और उसकी समस्याएं
- अनुवाद के प्रमुख प्रकार - कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक।

- अनुवाद के शिल्पगत भेद अविकल अनुवाद (लिटरल), भावानुवाद/छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कम्प्यूटर अनुवाद।
- साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप - काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद।
- वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/लोकोक्तियों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-SEC-601	601.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	601.2	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	601.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	601.4	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	3	2.5	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक सामग्री

- अनुवाद विज्ञानः सिद्धांत और अनुप्रयोग - सं. डा. नगेंद्र
- अनुवाद विज्ञान - भोला नाथ तिवारी
- वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ - भोला नाथ तिवारी
- प्रशासन में राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
- पश्चिम में अनुवाद-कला के मूल स्त्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त, विश्वनाथ गुप्त
- अनुवाद का भाषिक सिद्धांत - जे.सी.कैटफोर्ड
- अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - जी. गोपीनाथन
- व्यावहारिक अनुवाद - एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
- अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी

B-HIN(E)-DSE-602-A-बालमुकुंद गुप्त

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

बालमुकुंद गुप्त के जीवन व साहित्य के विविध आयामों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

602.1 बालमुकुंद गुप्त के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान का परिचय।

602.2 बालमुकुंद गुप्त के युग व साहित्य का बोध।

602.3 हिंदी भाषा व पत्रकारिता के निर्माण व मूल्यों के प्रति चेतना का विकास।

602.4 राष्ट्रीय आंदोलन में साहित्य, पत्रकारिता के योगदान से परिचय।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक पाठांश व तत्संबंधी प्रश्न दिए जायेंगे विद्यार्थी को पाठ के आधार पर उनका उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्य विषयों में से छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- बालमुकुंद गुप्त का जीवन परिचय
- बालमुकुंद का साहित्यिक का परिचय
- पत्रकार बालमुकुंद गुप्त
- भाषाविद् बालमुकुंद गुप्त
- बाल साहित्यकार बालमुकुंद गुप्त

- कवि बालमुकुंद गुप्त
- व्यंग्यकार बालमुकुंद गुप्त
- बालमुकुंद गुप्त की भाषा
- बालमुकुंद साहित्य की प्रासंगिकता
- बालमुकुंद गुप्त और हिंदी नवजागरण

व्याख्या के लिए

कविताएं (भैंस का स्वर्ग, सभ्य बीबी की चिट्ठी, प्लेग की भूतनी, होली, देशोद्धार की तान, चूहों का मातम, पंजाब में लॉयल्टी, पोलिटिकल होली, वसंत, जोगीड़ा, टेसू)

पाठ बोध के लिए

निबंध (वैसराय का कर्तव्य, पीछे मत फेंकिये, बंग-विच्छेद, हंसी-खुशी, हिंदी की उन्नति**)**

पाठ्य पुस्तक

बालमुकुंद गुप्तः जीवन, सृजन और मूल्यांकन; सं. सुभाष चंद्र

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-DSE-602-A	602.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	602.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	602.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	602.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- बालमुकुंद गुप्त रचनावली; सं. के.सी. यादव ; हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति अकादमी, गुरुग्राम (हरि.)
- बालमुकुंद निबंधावली; झाबरमल शर्मा व बनारसीदास चतवेर्दी; गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशन समिति, कलकत्ता।
- बालमकुंद गुप्त; मदन गोपाल; साहित्य अकादमी प्रकाशन, दिल्ली
- बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली; नत्थन सिंह; हिरयाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
- बालमुकुंद गुप्तः संकलित निबंध; कृष्णदत्त पालीवाल; राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत, दिल्ली
- देस हरियाणा (बालमुकुंद गुप्त विशेषांक)

B-HIN(E)-DSE-602-B-लोक साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 80, आंतरिक मूल्यांकन - 20**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

लोक साहित्य व लोक संस्कृति से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

602.1 लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचय।

602.2 लोक-संस्कृति के विभिन्न पक्षों से परिचय।

6.2.3 लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के के संकलन, संरक्षण, अध्ययन एवं विश्लेषण में रुचि।

परीक्षा संबधी निर्देश- पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - निर्धारित पाठ्यक्रम (स्वांग व लोकगीत) से दो पद्यांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।
- समीक्षात्मक खंड में निर्धारित पाठ्यक्रम की इकाई 1, 2 व 3 में से विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- लघुत्तरी खंड में निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- वस्तुनिष्ठ खंड में निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित पाठ्य विषय

इकाई - 1

- लोक साहित्य- परिभाषा एवं स्वरूप, साहित्य और लोक साहित्य के संबंध, लोक साहित्य की प्रवृतियां, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येताओं का परिचय - देवेंद्र सत्यार्थी, विजयदान देथा, वासुदेव शरण अग्रवाल
- लोक संस्कृति - अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएं। हिंदी प्रदेश की लोक बोलियों और उनके साहित्य का परिचय

इकाई -2

- लोक साहित्य के रूप - लोक नाट्य और लोक गीत
- लोकनाट्य - स्वांग, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, ।
- लोकगीत - संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम गीत, ऋतुगीत।
- रागनी - उद्भव, विकास व विशेषताएं।

इकाई - 3

- लोक साहित्य के रूप - लोक कथा, लोकगाथा, लोकोक्तियां, पहेलियां।
- लोककथा - व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा।
- कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय
- लोकगाथा - लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति। प्रसिद्ध लोकगाथाएँ - ढोला-मारू, गुग्गा पीर, नल-दमयन्ती, हीर-राँझा।

इकाई - 4 लोक साहित्यः व्याख्या के लिए

- स्वांग गूगे राजपूत बागड़ देस का - संकलनकर्ता आर. सी. टेम्पल
- 7 लोकगीत व 10 रागनी

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-DSE-602-B	602.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	602.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	602.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	602.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय
- भारत का लोक साहित्य - कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा का लोक साहित्य - लालचंद गुप्त 'मंगल'
- लोक संस्कृति के क्षितिज - पूर्णचन्द शर्मा
- हरियाणा का लोक साहित्य - शंकर लाल यादव
- हरियाणवी साहित्य और संस्कृति - पूर्णचंद शर्मा
- हरियाणवी लोकधारा (प्रतिनिधि रागनियां) - सं. सुभाष चन्द्र

B-HIN(E)-GE-603-आधुनिक भारतीय कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय भाषाओं की कविता व कवियों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

603.1 भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवियों की कविताओं की समझ।

603.2 भारतीय संस्कृति के लगाव, राष्ट्रीय एकता व अंखडता की भावना का विकास।

603.3 साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से दो पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठों में से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिये जायेंगे पाठ के आधारा पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** भारतीयता कविता का स्वरूप, कविता में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय कविता, भारतीय कविता की प्रवृतियां तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का परिचय, उनकी कविताओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना व काव्य सौंदर्य संबंधी छः समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि (निम्नलिखित कवियों की तीन तीन कविताएं)

हिंदी - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
मुक्तिबोध

उर्दू - ग़ालिब
हाली

पंजाबी - लालसिंह दिल
सुरजीत पातर

बांग्ला - रवीन्द्रनाथ ठाकुर
काज़ी ऩजरुल इस्लाम

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
B-HIN(E)-GE-603	603.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	603.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	603.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	603.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं - के. सच्चिदानंद
- भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य - डॉ. राम छबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य - डॉ. मूलचन्द गौतम
- भारतीय साहित्य - भोलाशंकर व्यास
- परंपरा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी ए (आनर्स) हिंदी पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - I							
BH-HIN-CC-101	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-AECC-103	हिंदी व्याकरण और संप्रेषण	2	2	40	10	50	2 घंटे
BH-HIN-GE-104	कला और साहित्य	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर - II							
BH-HIN-CC-201	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-202	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-AECC-203	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	2	2	40	10	50	2 घंटे
BH-HIN-GE-204	हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर - III							
BH-HIN-CC-301	छायावादोत्तर हिंदी कविता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-302	भारतीय काव्यशास्त्र	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-303	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-SEC-304	रचनात्मक लेखन	2	2	40	10	50	2 घंटे
BH-HIN-GE-305	संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे

सेमेस्टर - IV							
BH-HIN-CC-401	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-402	हिंदी उपन्यास	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-403	हिंदी कहानी	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-SEC-404	अनुवादः सिद्धांत और प्रविधि	2	2	40	10	50	2 घंटे
BH-HIN-GE-405	आधुनिक भारतीय कविता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर - V							
BH-HIN-CC-501	हिंदी नाटक एवं एकांकी हिंदी	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-502	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-DSE-503	राष्ट्रीय काव्यधारा	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-DSE-504	प्रेमचंद	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-GE-505	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर -VI							
BH-HIN-CC-601	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-CC-602	प्रयोजनमूलक हिंदी	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-DSE-603	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-DSE-604	लोक साहित्य	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
BH-HIN-GE-605	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	6	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे

Programme Outcomes (PO) of Bachelor of Arts (General) CBCS Programmes/Courses in the Institute of Integrated and Honours Studies, Kurukshetra University, Kurukshetra

PO 1: Demonstrate a detailed knowledge and understanding of selected fields of study in core disciplines in the humanities, social sciences and languages;

PO 2: Apply critical and analytical skills and methods to the identification and resolution of problems within complex changing social contexts.

PO 3: Demonstrate a general understanding of the concepts and principles of selected areas of study outside core disciplines of the humanities, social sciences and languages;

PO 4: Apply an independent approach to knowledge that uses rigorous methods of inquiry and appropriate theories;

PO 5: Articulate the relationship between diverse forms of knowledge and the social, historical and cultural contexts that produced them;

PO 6: Communicate effectively and show ability to read, write, listen to and speak in a chosen language/s with fluency;

PO 7: Act as informed and critically discerning participants within the community of scholars, as citizens and in the work force;

PO 8: Work with independence, self-reflection and creativity to meet goals and challenges in the workplace and personal life.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Mapping Matrix for all the Courses of B.A. (Honors) Hindi

Course Code	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
BH-HIN-CC-101	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-102	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-AECC-103	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-GE-104	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-CC-201	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2
BH-HIN-CC-202	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-AECC-203	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-GE-204	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-301	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-302	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-303	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-SEC-304	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-GE-305	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-CC-401	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-CC-402	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-403	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-SEC-404	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-GE-405	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-501	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-CC-502	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-DSE-503	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-DSE-504	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-GE-505	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-CC-601	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	3	3	2.5	2.5
BH-HIN-CC-602	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
BH-HIN-DSE-603	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-DSE-604	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5
BH-HIN-GE-605	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

सेमेस्टर -1

BH-HIN-CC-101-हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिंदी भाषा के विकास के सोपानों की पहचान।

101.2 हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं व साहित्यिक परपंराओं से परिचय। भक्तिकालीन विभिन्न धाराओं की वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ।

101.3 हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों व बदलाव के बिंदुओं की पहचान व भारतीय इतिहास के साथ उसकी तर्कसंगति का अध्ययन।

101.4 हिंदी साहित्यकारों की रचना क्षमता व अभिव्यक्ति की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों में से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1

- इतिहास लेखन और साहित्येतिहास लेखन
- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण,
- आदिकाल की विशेषताएं
- आदिकालीन सिद्ध काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं

- आदिकालीन नाथ काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं
- आदिकालीन प्रमुख रासो काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं
- आदिकालीन लौकिक काव्य और प्रमुख कवि (विद्यापति, अमीर खुसरो)

इकाई 2

- भक्ति आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,
- संतकाव्य की वैचारिक पृष्भूमि
- संत काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- सूफीकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
- सूफी काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि

इकाई 3

- कृष्णकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
- कृष्ण काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि
- रामकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
- राम कव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं और प्रमुख कवि

इकाई 4

- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,
- रीतिबद्ध काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं
- रीतिसिद्ध काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं
- रीतिमुक्त काव्यधारा की काव्यगत विशेषताएं

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-101	101.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	101.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	101.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	101.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा
- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल- हजारी प्रसाद द्विवेदी

- हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डॉ. सुभाष चंद्र

BH-HIN-CC-102-हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

102.1 आधुनिक काल की वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ।

102.2 हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों व बदलाव के बिंदुओं की पहचान व भारतीय इतिहास के साथ उसकी तर्कसंगति का अध्ययन।

102.2 भारतीय पुनर्जागरण के मुद्दे व अंतर्विरोधों की पहचान।

102.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन व साहित्य के संबंधों की समझ

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों में से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1

- आधुनिक काल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण
- भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
- भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएँ,
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग

इकाई 2

- छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि

- उत्तर छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- प्रगतिवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- प्रयोगवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- नई कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि
- समकालीन कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि

इकाई 3

- हिंदी नाटकः उद्भव और विकास
- हिंदी निबंधः उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यासः उद्भव और विकास
- हिंदी कहानीः उद्भव और विकास
- हिंदी पत्रकारिताः उद्भव और विकास

इकाई 4

- हिंदी रेखाचित्रः उद्भव और विकास
- संस्मरणः उद्भव और विकास
- हिंदी आत्मकथाः उद्भव और विकास
- हिंदी जीवनीः उद्भव और विकास
- अस्मितामूलक विमर्श (दलित, स्त्री व आदिवासी)

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-102	102.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	102.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	102.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	102.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल

- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

BH-HIN-AECC-103-हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी व्याकरण तथा उसके अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

103.1 हिंदी भाषा का सही उच्चारण कर पाएगा।

103.2 हिंदी व्याकरण के नियमों का ज्ञान।

103.3 भाषा का मानक व शुद्ध प्रयोग करने में सक्षम।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- व्याकरण का स्वरूप और महत्व
- व्याकरण और भाषा का संबंध
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था: स्वर एवं व्यंजन। स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- हिंदी भाषा शब्द भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी
- शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय,
- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द,
- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया
- मुहावरे, लोकोक्तियां
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद
- शब्द शुद्धि और वाक्य शुद्धि

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large	3

extent) with the particular Programme outcome												
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-AECC-103	103.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	103.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	103.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	103.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन - किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
- परिष्कृत हिन्दी व्याकरण - बदरी नाथ कपूर
- सामान्य हिन्दी - हरदेव बाहरी
- सामान्य हिन्दी - डॉ. पृथ्वी नाथ पाण्डेय

BH-HIN-GE-104-कला और साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कला और साहित्य से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

104.1 साहित्य और अन्य कलाओं के अंतसंबंधों का बोध।

104.2 साहित्य और कला के विभिन्न आयामों की आलोचनात्मक समझ।

104.3 साहित्य व कला के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों की समझ का विस्तार।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 6 के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- कला और साहित्य का अंतस्संबंध
- कला और समाज का अंतस्संबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय महत्व
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परपंरा
- लोक-कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाटय कला
- साहित्य, कला और विचारधारा
- कला कला के लिए
- कला जीवन के लिए
- वर्तमान में साहित्य और कला की प्रासंगिकता
- साहित्य, कला और बाजार

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PS O1	PS O2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-GE-104	104.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	104.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	104.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	104.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- साहित्य और कला - भगवतशरण उपाध्याय
- साहित्य के सिद्धांत और रूप - भगवतीचरण वर्मा
- साहित्य-सहचर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्य और कला - कार्ल मार्क्स और एंगेल्स
- साहित्य का समाजशास्त्र - मैनेजर पांडेय
- साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय
- कला साहित्य और संस्कृति - लू शुन, वाणी प्रकाशन, 2014
- कला और संस्कृति - रजनी
- कार्ल मार्क्स : कला और साहित्य चिन्तन - नामवर सिंह
- साहित्य और समाज - रामधारी सिंह दिनकर
- आधुनिक साहित्य की प्रवृतियां - नामवर सिंह

सेमेस्टर -II

BH-HIN-CC-201-आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आदिकालीन व मध्यकालीन कविता से परिचित करवाने के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 आदिकालीन व मध्यकालीन कविता का बोध होगा।

201.2 सगुण, निर्गुण, रीतिकाल के विभिन्न कवियों की काव्य विशिष्टता की पहचान कर पायेंगे।

201.3 मध्यकालीन भाषा व अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों की पहचान होगी।

201.4 हिंदी काव्य परंपरा की जानकारी मिलेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनका काव्य

1. अमीर खुसरो
2. कबीरदास
3. रैदास
4. सूरदास
5. तुलसीदास

6. रहीम
7. मीराबाई
8. बिहारी
9. घनानंद
10. चिंतमणि
11. गरीबदास

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-201	201.1	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	201.2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	201.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	201.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	Average	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
- मध्यकालीन बोध और साहित्यः- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- तुलसीदास और उनका युग- डॉ. रामविलास शर्मा
- कबीर एक नई दृष्टि- रघुवंश
- कबीर के आलोचक- डॉ. धर्मवीर
- कबीर- गोविन्द त्रिगुणायत
- कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मीराबाई- परशुराम चतुर्वेदी

BH-HIN-CC-202-आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता (छायावाद तक) से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

202.1 आधुनिक काल की पृष्टभूमि से परिचय।

202.2 आधुनिक काल के कवियों की काव्य क्षमता का बोध।

202.3 नवजागरण व राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान।

202.4 आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों की कविता का आलोचनात्मक बोध।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनकी कविताएं

1. भारतेंदु
2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
3. मैथिलीशरण गुप्त
4. जयशंकर प्रसाद
5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
6. सुमित्रानंदन पंत
7. महादेवी वर्मा
8. रामधारी सिंह दिनकर

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-202	202.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	202.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	202.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	202.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास- डॉ. नन्दकिशोर नवल
- छायावाद- नामवर सिंह
- प्रसाद का काव्य- डॉ. प्रेम शंकर
- महीमसी महादेवी- गंगा प्रसाद पांडेय
- निराला की साहित्य साधना(दूसरा भाग)- रामविलास शर्मा
- साकेतः एक अध्ययन- डॉ. नगेन्द्र
- कामायनीः एक पुनर्विचार- मुक्तिबोध
- कामायनी के अध्ययन की समस्याएं- डॉ. नगेन्द्र

BH-HIN-AECC-203-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संप्रेषण की विधियों और सिद्धांतों से परिचय के लिए। हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

203.1 हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण कर पाएगा।

203.2 संप्रेषण की विधियों को सीखकर हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं
- हिंदी भाषा का विकास
- हिंदी भाषा के विविध रूप - संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
- हिंदी की संविधानिक स्थिति
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- संप्रेषण की अवधारणा एवं महत्व
- संप्रेषण के प्रकार - मौखिक और लिखित
- संप्रेषण में बाधाएं और चुनौतियां
- संप्रेषण के विविध रूप - साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा आदि।
- संप्रेषण के माध्यम
- जनसंचार के लिए लेखन

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-AECC-203	203.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	203.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	203.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	203.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार
- हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण तिवारी
- राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
- राजभाषा सहायिका - अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन
- जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग - प्रो. राम लखन मीणा, कल्पना प्रकाशन
- जनमाध्यमों का मायाजाल - नोम चॉम्स्की
- जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार - अर्जुन तिवारी

BH-HIN-GE-204-हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी की सांस्कृतिक पत्रकारिता से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

204.1 सांस्कृतिक पत्रकारिता के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

204.2 सांस्कृतिक पत्रकारिता में दक्षता।

204.3 सांस्कृतिक पत्रकारिता की आलोचनात्मक समझ का विकास।

204.4 सांस्कृतिक चेतना का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 6 के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- सांस्कृतिक पत्रकारिता: अवधारणा, अर्थ और महत्व। परम्परागत, आधुनिक और उत्तर आधुनिक समाज। संस्कृति, लोकसंस्कृति, लोकप्रिय संस्कृति, अपसंस्कृति। बाजार, संस्कृति और संचार माध्यम।
- सांस्कृतिक संवाद: अर्थ, भेद और विशेषताएँ। सांस्कृतिक संवाददाता की योग्यताएँ: आस्वादन, अन्वीक्षण, कल्पनाशीलता आदि। सांस्कृतिक संवाद के क्षेत्रों का परिचय - मंचकला, पर्यटन, पुरातत्व संग्रहालय आदि।
- मंचकला और पत्रकारिता: रंगमंच; संगीत-गायन, वादन (ताल वाद्य, तंत्र वाद्य) और नृत्य के कार्यक्रम संवाद लेखन और समीक्षा। चित्रकला (पेंटिंग, ग्राफिक, टेक् सटाल डिजाइन), शिल्पकला, स्थापत्य कला के कार्यक्रम: संवाद लेखन और समीक्षा।
- पर्यटन पत्रकारिता - प्रमुख धर्मिक स्थलों, स्मारकीय और प्राकृतिक सम्पदाओं का परिचय: संवाद लेखन और समीक्षा। छायाचित्र (फोटाग्राफी) और चित्र पत्रकारिताः जनसंचार माध्यम के रूप में छायाचित्र, छायाचित्र लेने की तरीके, उपकरण और प्रयोग की विधि।
- चित्र पत्रकारिता: सिद्धान्त और व्यवहार, चित्र सम्पादन, सचित्र रूपक (फीचर), प्रदर्शनी।

चलचित्र (छायाछवि/फिल्म) पत्रकारिताः संचार माध्यम के रूप में फिल्म और विडियो, लघुफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक: परिचय और विकास; फिल्म पृष्ठ का आकल्पन और अभिविन्यास।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs												
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome											1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome											2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome											3	
	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-GE-204	204.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	204.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	204.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	204.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- पत्रकारिता का समाजशास्त्र - रविभूषण पांडेय
- मास कम्युनिकेशन इन इंडिया - कुमार केवल
- जनसंपर्क सिद्धान्त और व्यवहार - अर्जुन तिवारी
- समाचार पत्र व्यवसाय एवं प्रेस कानून - संजीव भानावत
- आधुनिक विज्ञापन - प्रेमचंद पातंजलि
- विज्ञापन व्यवसाय एवं कला - रामचन्द्र तिवारी
- जनसंपर्क प्रबन्धन - कुमुद शर्मा
- सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र - रवीन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन

सेमेस्टर - III

BH-HIN-CC-301-छायावादोत्तर हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

छायावादोत्तर हिंदी कविता से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 छायावाद के बाद की हिंदी कविता के विविध स्वरों का बोध होगा।

302.2 स्वतंत्रता के बाद के समाज का यथार्थ तथा उसके प्रति लेखकों की सृजनात्मक प्रतिक्रिया ज्ञात होगी।

303.3 समकालीन कविता की काव्य-शैलियों का परिचय प्राप्त होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि व उनकी कविताएं

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला

गजानन माधव मुक्तिबोध - भूल गलती, जन जन का चेहरा एक

नागार्जुन - अकाल और उसके बाद, कालिदास

शमशेर बहादुर सिंह - सूना सूना पथ है, उदास झरना, वह सलोना जिस्म

भवानी प्रसाद मिश्र - कहीं नहीं बचे, गीत फरोश

कुँवर नारायण - नचिकेता, कविता

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता, हम ले चलेंगे

केदारनाथ सिंह - रचना की आधी रात, फर्क नहीं पड़ता

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-301	301.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	301.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	301.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	301.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- मुक्तिबोधः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- केदारनाथ सिंहः प्रतिनिधि कविताएँ राजकमल प्रकाशन
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कृष्णदत्त पालीवाल
- कुँवर नारायणः उपस्थिति- सं. यतीन्द्र मिश्र
- साहित्य और समकालीनता - राजेश जोशी
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- निराला - राम विलास शर्मा
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह

BH-HIN-CC-302-भारतीय काव्यशास्त्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय काव्यशास्त्र से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

302.1 भारतीय साहित्य चिंतन के विभिन्न सिद्धातों का ज्ञान।

302.2 भारतीय व पाश्चात्य साहित्य चिंतन में तुलनात्मक समझ की प्रेरणा।

302.3 भारतीय सौंदर्यबोध के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान

302.4 साहित्य समीक्षा की समझ में अभिवृद्धि

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त - रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त - अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण
- रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धांत - प्रमुख स्थापनाएं
- हिन्दी काव्यशास्त्र - रीतिकालीन आचार्यों का योगदान,
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की साहित्य संबंधी स्थापनाएं,
- प्रेमचंद की साहित्य संबंधी स्थापनाएं
- मुक्तिबोध की साहित्य संबंधी स्थापनाएं
- रवींद्रनाथ टैगोर की साहित्य संबंधी स्थापनाएं
- हाली की साहित्य संबंधी स्थापनाएं

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-302	302.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	302.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	302.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	302.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सन्दर्भ पुस्तकें

- भारतीय काव्यशास्त्र- बलदेव उपाध्याय
- भारतीय काव्यशास्त्र- संपा. उदयभानु सिंह
- काव्य तत्त्व विमर्श- राममूर्ति त्रिपाठी
- भारतीय काव्यशास्त्र- सत्यदेव चौधरी
- काव्यांग दर्पण- डॉ. विजयबहादुर अवस्थी
- रस मीमांसा- रामचंद्र शुक्ल
- रस सिद्धांत- नगेन्द्र
- रस-सिद्धांतः स्वरूप और विश्लेषण- आनंदप्रकाश दीक्षित
- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा- नगेन्द्र

BH-HIN-CC-303-पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

303.1 पाश्चात्य साहित्य चिंतन के विभिन्न सिद्धातों का ज्ञान।

303.2 भारतीय व पाश्चात्य साहित्य चिंतन में तुलनात्मक समझ की प्रेरणा।

303.3 पाश्चात्य समीक्षा पद्धतियों की सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- प्लेटो - काव्य संबंधी मान्यताएँ,
- अरस्तू - अनुकृति एवं विरेचन,
- लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा
- वडर्सवर्थ - काव्य भाषा का सिद्धान्त,
- कॉलरिज - कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे - अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट - परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त
- मैथ्यू ऑरनाल्ड के साहित्य सिद्धांत
- आई.ए. रिचडर्स - मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त
- मार्क्सवादी समीक्षा,
- मनोविश्लेषणवादी समीक्षा
- यथार्थवाद
- आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-303	303.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	303.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	303.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	303.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सन्दर्भ पुस्तकें

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा- सं. नगेन्द्र, सावित्री सिन्हा
- पाश्चात्य समीक्षाशास्त्रः सिद्धांत और परिदृश्य- सं. नगेन्द्र
- प्लेटो के काव्य-सिद्धांत- निर्मला जैन
- अरस्तू का काव्यशास्त्र- सं. नगेन्द्र
- काव्य के उदात्त तत्त्व(भूमिका)- नगेन्द्र
- साहित्य सिद्धांत(अनूदित)- रेने वेलेक, आस्टिम, वारेन
- पाश्चात्य साहित्य-चिंतन- निर्मला जैन
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र- देवेन्द्रनाथ
- संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र- डॉ. गोपीचन्द नारंग

BH-HIN-SEC-304-रचनात्मक लेखन

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

रचनात्मक लेखन के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

304.1 विभिन्न विधाओं व रुपों का सैद्धांतिक ज्ञान।

304.2 विभिन्न विधाओं में लेखन क्षमता का विकास।

304.3 रचनात्मक लेखन के विभिन्न तत्वों की जानकारी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

रचनात्मक लेखन: स्वरूप एवं सिद्धांत

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ
- जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाटय -पाठय

रचनात्मक लेखन: भाषा-संदर्भ

- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक-प्रयोग, नव्य-प्रयोग
- भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष

रचनात्मक लेखन: रचना-कौशल-विश्लेषण

- रचना-सौष्ठव: शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकार और वक्रताएं

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

- कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
- कथासाहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
- नाटयसाहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
- विविध गद्य-विधाएँ: निबंध, संस्मरण, व्यंग्य
- बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

सूचना-तंत्र के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम: फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा इलेक्टॉनिक माध्यम: रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-SEC-304	304.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	304.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	304.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	304.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- इंटरनेट पत्रकारिता - सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन
- हाइपर टेक्स्ट - वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट - जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन
- फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा
- साहित्य और सिनेमा : अंत संबंध और रूपांतरण - विपुल कुमार
- सिनेमा की सोच - अजय ब्रह्मात्मज
- सिनेमा के बारे में - जावेद अख्तर
- टेलिविजन की कहानी - श्याम कश्यप एवं मुकेश कुमार
- समाचार फीचर लेखन और संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- रेडियो प्रसारण - कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान

BH-HIN-GE-305-संपादन प्रक्रिया और साज सज्जा

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संपादन प्रक्रिया का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

305.1 समाचारों के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों के ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।

305.2 जनसंचार के प्रिंट माध्यमों के लिए संपादन-लेखन की क्षमता विकसित होगी।

305.3 इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के लिए संपादन-लेखन की क्षमता विकसित होगी।

305.4 समाचारों के प्रति आलोचनात्मक व खोजी दृष्टि का विकसित होगी

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 6 के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- सम्पादन: अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन-कला के सामान्य सिद्धान्त।
- सम्पादक और उपसम्पादक: योग्यता, दायित्व और महत्त्व।
- समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिहन और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।
- सम्पादकीय लेखन: प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।
- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएँ। छायाचित्र, कार्टून , रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन।
- हिन्दी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याएँ।

- साज-सज्जा और तैयारी: ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त। मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी), पत्रिका की साजसज्जा, रंग-संयोजन।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-GE-305	305.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	305.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	305.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- संचारभाषा हिन्दी - सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन
- मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन
- पटकथा लेखन - मनोहरश्याम जोशी
- पटकथा लेखन - मन्नू भंडारी
- आकाशवाणी समाचार की दुनियाँ - संजय कुमार
- समाचार फ़ीचर लेखन एवं संपादन कला - प्रो. हरिमोहन
- प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदारे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
- प्रालेखन प्रारूप - शिवनाराय चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन

सेमेस्टर - IV

BH-HIN-CC-401-भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा व भाषा विज्ञान से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

401.1 हिंदी भाषा की संरचना व स्वरूप का त्ज्ञान।

401.2 हिंदी भाषा के विविध रुपों व प्रयोगों का ज्ञान।

401.3 भाषा विज्ञान के सिद्धांतों व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

401.4 भाषा के बदलाव की दिशाएं व कारणों का बोध।

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों में से आंतरिक विकल्प सहित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

इकाई 1-

- भाषा: परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।

इकाई 2-

- स्वनिम विज्ञान: परिभाषा, स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान - शब्द और रूप (पद), पद विभाग - नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।

इकाई 3-

- वाक्य विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

इकाई 4-

- हिंदी भाषा और उसकी बोलियां-उपबोलियां।
- खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- हिंदी भाषा के विविध रूप - राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा।
- हिंदी की संविधानिक स्थिति।
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs												
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-401	401.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	401.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	401.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	401.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सन्दर्भ पुस्तकें

- हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास- भोलानाथ तिवारी
- भाषाशास्त्र की रूपरेखा- उदय नारायण तिवारी
- भाषा(हिन्दी अनुवाद)- लैनर्ड ब्लूम फील्ड
- भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी
- हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषाः स्वरूप और विकास- कैलाशचंद्र भाटिया
- हिंदी शब्दानुशासन - कामता प्रसाद गुरु
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

BH-HIN-CC-402-हिंदी उपन्यास

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी उपन्यास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

402.1 हिंदी गद्य की उपन्यास विधा से परिचित होंगे।

402.2 उपन्यास विधा की विशिष्टता की समझ बढ़ेगी।

402.3 हिंदी उपन्यासों के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ बनेगी।

402.4 सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित रचनाएं

- गबन - प्रेमचंद
- त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार
- महाभोज - मन्नू भंडारी

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3

Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-402	402.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	402.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	402.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	402.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सन्दर्भ पुस्तकें

- उपन्यास के सिद्धांत- जार्ज लुकाच
- उपन्यास और लोक जीवन- रॉल्फ फॉक्स
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास- गोपाल राय
- आज का हिन्दी उपन्यास- इन्द्रनाथ मदान
- हिन्दी उपन्यासः पहचान और परख- इन्द्रनाथ मदान
- हिन्दी उपन्यासः एक अंर्तयात्रा- रामदरश मिश्र

BH-HIN-CC-403-हिंदी कहानी

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी गद्य की कहानी विधा से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

403.1 हिंदी गद्य की कहानी विधा से परिचित होंगे।

403.2 कहानी विधा की विशिष्टता की समझ बढ़ेगी।

403.3 हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ बनेगी।

403.4 सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ेगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित रचनाएं

- उसने कहा था: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात: प्रेमचंद
- आकाशदीप: जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत: सुदर्शन
- पाजेब: जैनेन्द्र कुमार

- तीसरी कसम: फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- मलबे का मालिक: मोहन राकेश
- परिन्दे: निर्मल वर्मा
- दोपहर का भोजन: अमरकांत
- सिक्का बदल गया: कृष्णा सोबती
- पिता: ज्ञानरंजन

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-403	403.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	403.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	403.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	403.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
- हिन्दी कहानी का पहला दशक - भवदेय पांडेय
- हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश
- एक दुनियाँ समानान्तर (भूमिका) - राजेन्द्र यादव
- हिन्दी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
- नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
- हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
- कहानी : प्रवृत्ति और विश्लेषण - सुरेन्द्र उपाध्याय

BH-HIN-SEC-404-अनुवादः सिद्धांत और प्रविधि

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम से अपेक्षित परिणाम

404.1 अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यवहारिक पहलुओं से परिचय।
404.2 विभिन्न विषयों का अनुवाद करने में सक्षम।
404.3 भाषा प्रयोग की दक्षता में अभिवृद्धि।
404.4 शासन-प्रशासन के कार्यों को करने में दक्षता।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार: शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद-प्रक्रिया के तीन चरण- विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष - पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद।
- किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
  क. 'गीतांजलि' का हिन्दी अनुवाद - हंस कुमार तिवारी
  ख. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।

- कार्यालयी अनुवाद: राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प-प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-SEC-404	404.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	404.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	404.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	404.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- अनुवाद कला - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
- अनुवाद का भाषिक सिद्धांत - जे. सी. कैटफोर्ड
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग - नगेन्द्र
- अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - जी. गोपीनाथन
- वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी
- पश्चिम में अनुवाद कला के मूल स्त्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त, विश्वनाथ गुप्त
- अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी

BH-HIN-GE-405-आधुनिक भारतीय कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय भाषाओं की कविता व कवियों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

405.1 भारतीय कविता की अवधारणा की समझ

405.2 भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवियों की कविताओं की समझ।

405.3 भारतीय संस्कृति के लगाव, राष्ट्रीय एकता व अंखडता की भावना का विकास।

404.4 साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निम्नलिखित कवियों की तीन-तीन कविताएँ

हिंदी

- निराला
- मुक्तिबोध

उर्दू

- गालिब
- हाली

पंजाबी

- लालसिंह दिल
- सुरजीत पातर

बांग्ला

- रवीन्द्रनाथ ठाकुर
- काज़ी ऩजरुल इस्लाम

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-GE-405	405.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	405.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	405.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	405.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य :स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं - के. सच्चिदानंद
- भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य - डॉ. राम छबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य - डॉ. मूलचन्द गौतम
- भारतीय साहित्य - भोलाशंकर व्यास
- परंपरा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर

सेमेस्टर - V

BH-HIN-CC-501-हिंदी नाटक एवं एकांकी हिंदी

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी नाटक व एकांकी से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

501.1 हिंदी नाटक साहित्य के बारे में ज्ञान।

501.2 हिंदी नाटक साहित्य के विभिन्न हस्ताक्षरों के साहित्य से परिचय व आलोचनात्मक नाट्य बोध का विकास।

501.3 एंकाकी के विभिन्न स्वरों व सरोकारों का ज्ञान।

501.4 नाटक व एकांकी लेखन व मंचन में रुचि व क्षमता का विकास।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित रचनाएं

नाटक

- अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- माधवी - भीष्म साहनी

एकांकी

- औरंगजेब की आखिरी रात: रामकुमार वर्मा
- भोर का तारा: जगदीशचंद्र माथुर

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-501	501.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	501.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	501.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	501.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सन्दर्भ पुस्तकें

- हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास- डॉ दशरथ ओझा
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष- गिरीश रस्तोगी
- हिन्दी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार
- हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
- आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श - जयदेव तनेजा
- रंग दर्शन - नेमिचन्द्र जैन
- रंगमंच के सिद्धांत - सं. महेश आनन्द, देवेन्द्रराज अंकुर

BH-HIN-CC-502-हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी निबंध व अन्य गद्य विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

502.1 हिंदी निबंध के स्वरूप व विकास की जानकारी।

502.2 रेखाचित्र व संस्मरण आदि विधाओं के साहित्य की जानकारी।

502.3 वैचारिक व आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।

502.4 विभिन्न शैलियों के निबंध लेखन की योग्यता व क्षमता का विकास।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित रचनाएं

निबंध

- सरदार पूर्ण सिंह- मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल - करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी - देवदारु
- कुबेरनाथ राय - एक महाकाव्य का जन्म
- शिवपूजन सहाय - महाकवि जयशंकर प्रसाद

- डा. नगेंद्र - दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामवृक्ष बेनीपुरी - रजिया
- माखनलाल चतुर्वेदी - तुम्हारी स्मृति

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs												
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-502	502.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	502.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	502.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	502.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

संदर्भ पुस्तकें

- वाङ्मय विमर्श - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- साहित्यिक विधाएँ : रूपात्मक विकास - डॉ. बैजनाथ सिंहल
- आत्मकथा की संस्कृति - पंकज चतुर्वेदी
- आत्मकथा और उपन्यास - ज्ञानेन्द्र कुमार, सन्तोष
- हिन्दी गद्य का इतिहास - रामचन्द्र तिवारी
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

BH-HIN-DSE-503-राष्ट्रीय काव्यधारा

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय काव्यधारा से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

503.1 हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा व उसके सरोकारों का ज्ञान।

503.2 हिंदी के राष्ट्रीय धारा के साहित्य से परिचय।

503.3 हिंदी के साहित्य की राष्ट्रीय चेतना व साहित्य का राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान।

503.4 राष्ट्रीय भावना का विकास व स्वतंत्रता आंदोलन की समझ।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, उनके साहित्य की विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

निम्नलिखित कवियों की पाँच-पाँच कविताएँ

- मैथिलीशरण गुप्त
- माखनलाल चतुर्वेदी
- सोहनलाल द्विवेदी
- बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- रामधारी सिंह 'दिनकर'

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-DSE-503	503.1	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	503.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	503.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	503.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- राष्ट्रवाद और हिन्दी साहित्य - डॉ. राजकुमार पाण्डेय
- राष्ट्रवाद - रवीन्द्रनाथ टैगोर
- राष्ट्रवाद, भारतीयता और पत्रकारिता - प्रो. संजय द्विवेदी
- हिन्दी की साहित्यिक संस्कृति और भारतीय आधुनिकता - डॉ. राजकुमार
- हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान - मैनेजर पाण्डेय
- कविता में बँटवारा - रामकुमार कृषक
- आधुनिक हिन्दी कविता में विचार - डॉ. बलदेव वंशी
- आधुनिक कविता का पुनर्पाठ - करूणाशंकर उपाध्याय

BH-HIN-DSE-504-प्रेमचंद

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रेमचंद के साहित्य से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

504.1 प्रेमचंद द्वारा विभिन्न विधाओं में रचित साहित्य का परिचय।

504.2 प्रेमचंद के साहित्यिक-सांस्कृतिक सरोकारों का ज्ञान।

504.3 प्रेमचंद के हिंदी साहित्य पर प्रभाव का ज्ञान।

504.4 साहित्य अध्ययन की आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं का परिचय, विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- उपन्यास - सेवासदन
- नाटक - कर्बला
- निबंध - साहित्य का उद्देश्य, बच्चों को स्वाधीन करो,
- कहानियाँ - पूस की रात, ठाकुर का कुआं, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-DSE-504	504.1	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	504.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	504.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	504.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- प्रेमचन्द : चिन्तन और कला- इन्द्रनाथ मदान, सरस्वती प्रैस, बनारस, 1961
- प्रेमचन्द : जीवन, कला और कृतित्व, हंसराज रहबर, आत्माराम एंड सन्स, 1962
- उपन्यासकार प्रेमचन्द- सुरेशचन्द्र गुप्त एवं रमेशचंद गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1966
- प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज- इन्द्रमोहन कुमार सिन्हा, बिहारी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
- प्रेमचंद- सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1976
- प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 1981
- समकालीन जीवन संदर्भ और प्रेमचंद- धर्मेन्द्र गुप्त, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली, 1988
- कहानीकार प्रेमचंद- नूरजहां, हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ, 1975
- प्रेमचंद और भारतीय किसान- रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1983
- प्रेमचंद और उनका साहित्य- शीला गुप्त, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, इलाबाद, 1979
- प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान - कमल किशोर गोयनका
- प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन

BH-HIN-GE-505-सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयामों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

505.1 सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

505.2 प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास।

505.3 दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता का विकास।

504.4 इंटरनेट व सामाजिक माध्यमों के लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 6 के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- रिपोर्ताज़: अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन: विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महŸव।
- स्तंभ लेखन: समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome													1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome													2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome													3
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-GE-505	505.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	505.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	505.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	505.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- नई पत्रकारिता और समाचार लेखन- सविता चड्डा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
- समाचार फीचर-लेखन एवं संपादन कला- हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
- हिन्दी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप- शिवकुमार दुबे, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
- आधुनिक पत्रकारिता- अर्जून तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
- पत्रकारिता के नए आयाम- एस के दुबे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,
- पत्रकारिता : परिवेश औ प्रवृत्तियां- डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन
- इंटरनेट पत्रकारिता - सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता - डॉ. अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास- जेफ्रीरोबिन्स
- जनसंचार माध्यमों का मायालोक- नॉम चॉम्स्की
- संस्कृति उद्योग- टी. डब्ल्यू एडोर्नो
- टेलीविजन की कहानी - श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- जनसंचार - सं. राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला

सेमेस्टर - VI

BH-HIN-CC-601-हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

601.1 हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के विकास, नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में पत्रकारिता के योगदान की जानकारी।

601.2 हिंदी के विभिन्न पाहित्यिक पत्रकारों व उनकी विशिष्टिताओं की जानकारी।

601.3 हिंदी पत्रकारी के सरोकारों व मूल्यों की जानकारी।

601.4 साहित्यिक पत्रकारिता में रुचि व दक्षता का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व।
- भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता: परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ: बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, स्वेदश, प्रताप, कर्मवीर, जनसत्ता, हंस, कथादेश व हरियाणा की साहित्यिक पत्रिकाएं

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-601	601.1	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	601.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	601.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	2	3
	601.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	3	3	2.5	2.5

संदर्भ पुस्तकें

- हिन्दी पत्रकारिता- कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
- हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास - अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- विकास पत्रकारिता- राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1990
- हिन्दी पत्रकारिता : प्रेमचंद और हंस- रत्नाकार पाण्डेय, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1988
- विधि पत्रकारिता : चिन्ता और चुनौती- पवन चौधरी, विधि सेवा, दिल्ली, 1993
- हिंदी पत्रकारिता- कृष्ण बिहारी मिश्र
- पत्रकारिता के विविध संदर्भ- डॉ. वशीधर लाल
- पत्रकारिता हेतु लेखन - डॉ. निशान्त सिंह
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास- जेफ्रीरोबिन्स

BH-HIN-CC-602-प्रयोजनमूलक हिंदी

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी भाषा की जानकारी देना। संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों की जानकारी देना। विभिन्न कार्यालयों की जरूरतों को पहचानना।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम

602.1 हिंदी भाषा में कार्यालयी कार्य करने का ज्ञान होगा।

602.3 संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों को जान सकेंगे।

602.3 शासन-प्रशासन के कार्यों को हिंदी भाषा में करने की दक्षता।

603.4 बैंक, विधि, वाणिज्य संबंधी कार्यों में दक्षता।

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के (लगभग 150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- मातृभाषा हिंदी, सम्पर्क भाषा,
- राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ: हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का विकास,
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र: भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार: कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण,
- वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण,
- व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण,
- संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार: सरकारी पत्राचार,
- टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन,
- सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-CC-602	602.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	602.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	602.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	602.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सन्दर्भ पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयुक्ति- डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदारे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- दंगल झाल्टे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोन टक्के
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका- कैलाशनाथ पाण्डेय
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- प्रो. रमेश जैन
- राजभाषा सहायिका- अवधेश मोहन गुप्त

BH-HIN-DSE-603-अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अस्मितामूलक विमर्श और साहित्य से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

603.1 दलित विमर्श व साहित्य के सैद्धांतिक व सौंदर्यात्मक पहलुओं के विविध आयामों की समझ।

603.2 स्त्री विमर्श व साहित्य के सैद्धांतिक व सौंदर्यात्मक पहलुओं के विविध आयामों की समझ।

603.3 आदिवासी विमर्श व साहित्य के सैद्धांतिक व सौंदर्यात्मक पहलुओं के विविध आयामों की समझ।

603.4 दलित, स्त्री व आदिवासी विभिन्न विधाओं में रचित साहित्य से परिचय।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं। निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषय व निर्धारित रचनाओं के परिचय, विषयवस्तु, मूल संवेदना व रचना-सौष्ठव संबंधी पांच समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर
- स्त्री विमर्श: अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
- आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन

विमर्शमूलक साहित्य:

व्याख्या के लिएः नगाड़े की तरह बजते शब्द(आंरभिक दस कविताएं) निर्मला पुतुल - (कविता)

पाठ बोध के लिएः स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न (शृंखला की कड़िया) - महादेवी वर्मा

समीक्षात्मक प्रश्नों के लिएः दाई (उपन्यास) - टेकचंद

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-DSE-603	603.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	603.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	603.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	603.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- दलित दृष्टि : गेल ओमवेट
- आधुनिकता के आईने में दलित - सं. अभय कुमार दुबे
- अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज - ईश कुमार
- दलित कविता का संघर्ष - कंवल भारती
- दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - शरण कुमार लिम्बाले
- स्त्री उपेक्षिता (अनु. प्रभा खेतान) - सिमोन द बोउवा
- उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान
- स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका
- स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
- औरत की कहानी - सं. सुधा अरोड़ा

BH-HIN-DSE-604-लोक साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

लोक साहित्य व लोक संस्कृति से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

604.1 लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचय।

604.2 हरियाणवी लोक-संस्कृति के विभिन्न पक्षों से परिचय।

604.3 लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति के के संकलन, संरक्षण, अध्ययन एवं विश्लेषण में रुचि।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या खंड** - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ-बोध खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक खंड -** पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों से 5 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगें। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी खंड -** निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से पांच के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ खंड -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ। भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास
- लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण।
- हरियाणवी लोक गीत: संस्कारगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत,।
- हरियाणवी लोकनाटय स्वांग की परम्परा एवं प्रविधि।
- लोककथा: व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- हरियाणवी लोकभाषा, मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- हरियाणवी लोकनृत्य

- हरियाणवी लोकसंगीत, रागनी का स्वरूप, विकास और विशेषताएं।

व्याख्या व पाठबोध के लिए

- स्वांग गूगे राजपूत बागड़ देस का - संकलनकर्ता आर. सी. टेम्पल
- 7 लोकगीत व 10 रागनी

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-DSE-604	604.1	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	604.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	604.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	604.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- लोक साहित्य की भूमिका - कृष्णदेव उपाध्याय
- भारत का लोक साहित्य - कृष्णदेव उपाध्याय
- हरियाणा का लोक साहित्य - लालचंद गुप्त 'मंगल'
- लोक संस्कृति के क्षितिज - पूर्णचन्द शर्मा
- हरियाणा का लोक साहित्य - शंकर लाल यादव
- हरियाणवी साहित्य और संस्कृति - पूर्णचंद शर्मा
- हरियाणवी लोकधारा (प्रतिनिधि रागनियां) - सं. सुभाष चन्द्र

BH-HIN-GE-605-पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

क्रेडिट - 6 **कुल अंक-150**

समय-3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाश्चात्य दार्शनिक सिद्धांतों से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

605.1 साहित्य और दर्शन के अंतसंबंधों की जानकारी।

605.2 विभिन्न दार्शनिक मतों की मान्यताओं व स्थापनाओं का ज्ञान।

605.3 पाश्चात्य साहित्य चिंतन का ज्ञान।

605.4 पाश्चात्य ज्ञान का हिंदी साहित्य पर प्रभाव व तुलनात्मक दृष्टि का लिकास।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 7 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 6 के उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- संरचनावाद
- आधुनिकतावाद
- उत्तर अधुनिकतावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs													
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome												1	
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome												2	
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome												3	
Code	CO#	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO 1	PSO 2	PSO 3	PSO 4
BH-HIN-GE-605	605.1	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	605.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	605.3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3
	605.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - कृष्णदेव शर्मा
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - रामपूजन तिवारी
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान - प्रो. हरिमोहन
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. तारक नाथ बाली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र (सिद्धांत और वाद) - डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र (इतिहास सिद्धांत और वाद) - डॉ. भगीरथ मिश्र
- पाश्चात्य काव्य चिंतन - डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना - रामचन्द्र तिवारी
- काव्यशास्त्र : भारतीय और पाश्चात्य - कन्हैयालाल अवस्थी

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी. टी. एम. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2020-21 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - II							
BTM-HIN-AECC-201	प्रयोजनमूलक हिंदी	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2.00 घंटे
सेमेस्टर - III							
BTM-HIN-SEC-301	संभाषण कला	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2.00 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

सेमेस्टर - II

BTM-HIN-AECC-201-प्रयोजनमूलक हिंदी

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी व व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

201.1 विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा के स्वरूप व प्रयोग की जानकारी।

201.2 हिंदी भाषा में लेखन कौशल व संप्रेषण में सक्षम।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध -**निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 8 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किंही 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा और भारतीय संविधान, हिंदी भाषा के विविध रूप (राष्ट्र भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा), देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- बाजार और वाणिज्य के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग और चुनौतियां, वाणिज्य क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली
- व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया)
- विज्ञापन की भाषा का स्वरूप और विशेषताएं, प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और ई-विज्ञापनों की भाषा
- वेब कंटेट लेखन की प्रक्रिया, वेब कंटेट का ले-आऊट, डिजाइन एवं प्रस्तुति, हिंदी के प्रमुख वेबपोर्टल
- व्यावहारिक लेखन कौशल - कार्यालयी लेखन (पत्र, टिप्पण, प्रारूपण)
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)
- वर्तनी शोधन

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- **संभाषण -** साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **रेखाचित्र** - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **यात्रा -** मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **व्यंग्य -** आशा की अंत - बालमुकुंद गुप्त

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Prayojanmoolak Hindi (BTM-HIN-AECC-201) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

सेमेस्टर - III

BTM-HIN-SEC-301-संभाषण कला

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संभाषण के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 सावर्जनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।

301.2 वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में संवाद क्षमता विकसित होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 10 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख घटक
- संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
- जन सम्पर्क में वाककला की उपयोगिता
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानः भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपः उदघोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)।
- वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।
- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Sambhashan Kla (BSc-HSc-HIN-SEC-302) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- भाषण कला - महेश शर्मा
- अच्छी हिंदीः संभाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी.सी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2022-23 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - III							
BCA-HIN-AECC-301	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2.00 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment

Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

BCA-HIN-AECC-301-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी व व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा के स्वरूप व प्रयोग की जानकारी।

301.2 हिंदी भाषा में लेखन कौशल व संप्रेषण में सक्षम।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध -**निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 8 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 5 का उत्तरदेना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा और भारतीय संविधान, हिंदी के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा), देवनागरी लिपि का मानकीकरण।
- विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग और चुनौतियां, विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्र की परिभाषिक शब्दावली
- संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)
- हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर, ई-लर्निंग और हिंदी
- वेब कंटेट लेखन की प्रक्रिया, वेब कंटेट का ले-आऊट, डिजाइन एवं प्रस्तुति, प्रमुख हिंदी ई-पत्र-पत्रिकाएं एवं वेबपोर्टल।
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)।
- वर्तनी शोधन।

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- **संभाषण**-साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **रेखाचित्र**- पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **यात्रा -**मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **व्यंग्य -**आशा की अंत - बालमुकुंद गुप्त

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Hindi Bhasha Aur Sampreshan Kaushal (BCA-HIN-AECC-301) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी. एससी. (गृह-विज्ञान) हिंदी पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2022-23 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - III							
BSc-HSc-HIN-AECC-301	**हिंदी भाषा और संप्रेषण** कौशल	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2 घंटे
BSc-HSc-HIN-SEC-302	**संभाषण कला**	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programs) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programs) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programs) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programs) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programs) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programs) in ESE of a course

BSc-HSc-HIN-AECC-301-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संप्रेषण की विधियों और सिद्धांतों से परिचय के लिए। हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण कर पाएगा।

301.2 संप्रेषण की विधियों को सीखकर हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध -**निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 10 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं, भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा) देवनागरी लिपि का मानकीकरण, हिंदी की संवैधानिक स्थिति। शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी (विज्ञान, वाणिज्य व मानविकी के क्षेत्र में)
- व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी, विज्ञापन व बाजार की हिंदी, मनोरंजन-उद्योग में हिंदी
- सृजनात्मक लेखन-प्रविधि (निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्त)
- हिन्दी शब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय)
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)।
- वर्तनी शोधन।

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- **संभाषण -** साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **रेखाचित्र** - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **यात्रा -** मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **व्यंग्य -** आशा की अंत - बालमुकुंद गुप्त

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Hindi Bhasha Aur Sampreshan Kaushal (BSc-HSc-HIN-AECC-301) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

BSc-HSc-HIN-SEC-302-संभाषण कला

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संभाषण के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

302.1 सावर्जनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।

302.2 वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में संवाद क्षमता विकसित होगी।

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न** - निर्धारित पाठ्यक्रम में से 4 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को 2 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -**निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 4 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रमुख घटक
- संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।
- जन सम्पर्क में वाककला की उपयोगिता
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानः भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वेग, लहजा (एक्सेण्ट)।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपः उदघोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)।
- वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।
- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान।
- संवादी भाषा (कनवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाषिक संवेदना की विवेचना।

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Sambhashan Kla (BSc-HSc-HIN-SEC-302) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

भाषण कला - महेश शर्मा
अच्छी हिंदीः संभाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी. एससी. (मेडिकल-नॉन मेडिकल) हिंदी प्रोग्राम पाठ्यक्रम

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2022-23 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - III							
BSC-HIN-AECC-301	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks :

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS program) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programs) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS program) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programs) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS program) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programs) in ESE of a course

BSC-HIN-AECC-301-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक-50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

संप्रेषण की विधियों और सिद्धांतों से परिचय के लिए। हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण कर पाएगा।

301.2 संप्रेषण की विधियों को सीखकर हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध -**निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 10 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 5 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न** - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषयः

- भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं, भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, हिंदी भाषा का विकास, हिंदी भाषा के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा), देवनागरी लिपि का मानकीकरण, हिंदी की संविधानिक स्थिति, शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी, विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी, विज्ञान संबंधी पारिभाषिक शब्दावली।
- संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)
- हिन्दी शब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय)।
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)।
- वर्तनी शोधन।

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- **संभाषण -** साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **रेखाचित्र** - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **यात्रा -** मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **व्यंग्य -** आशा का अंत - बालमुकुंद गुप्त

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Hindi Bhasha Aur Sampreshan Kaushal (BSC-HIN-AECC-301) Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
- हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
- कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
- पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी

हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

स्नातक (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों के लिए

(बी ए-आनर्स हिंदी के अतिरिक्त)

सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति)/एल ओ सी एफ/मैपिंग मैट्रिक्स

सत्र 2021-22 से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - I							
UG(Honos)-HIN-AECC-101	हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल	**02**	**02**	**40**	**10**	**50**	2.00 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।

PSO-2. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।

PSO-3. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।

PSO-4. व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।

Attainment of Cos: Attainment Level for Internal Assessment
Table given below shows the CO attainment levels assuming the set target of 60% marks:

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

UG (Honors)-HIN-AECC-101-हिंदी भाषा और संप्रेषण कौशल

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 40, आंतरिक मूल्यांकन - 10**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी व व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.1 विविध क्षेत्रों में हिंदी भाषा के स्वरूप व प्रयोग की जानकारी।

301.2 हिंदी भाषा में लेखन कौशल व संप्रेषण में सक्षम।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध -**निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 8 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 5 का उत्तरदेना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

पाठ्य विषय

- हिंदी भाषा का परिचय
- हिंदी के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा),
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण।
- वाणिज्य, विधि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग और चुनौतियां
- संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)
- हिन्दी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर, ई-लर्निंग और हिंदी
- प्रमुख हिंदी ई-पत्र-पत्रिकाएं एवं वेबपोर्टल
- व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया
- व्यावहारिक लेखन कौशल - कार्यालयी लेखन (पत्र, टिप्पण, प्रारूपण)
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)
- वर्तनी शोधन।

पाठ बोध के लिए निर्धारित

- **संभाषण-**साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **रेखाचित्र**- पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **यात्रा -**मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **व्यंग्य -**आशा की अंत - बालमुकुंद गुप्त

SCALE OF MAPPING BETWEEN COs AND POs, PSOs	
Low correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a small extent) with the particular Programme outcome	1
Medium correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a reasonable extent) with the particular Programme outcome	2
Strong correlation (i.e. in agreement with the particular PO to a large extent) with the particular Programme outcome	3
Hindi Bhasha Aur Sampreshan Kaushal [UG(Honors)-HIN-AECC-101] Course is designed for enhancement of Skill Development of the students.	

सहायक पुस्तकें

- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी